इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूज़लेटर प्रति माह 40/ रुपए
(आईएसओ 9001 : 2015 द्वारा प्रमाणित)

व्यावसायिक
उत्कृष्टता के
प्रति प्रतिबद्ध

आईआईबीएफ विजन

खंड : 9 अंक : 6 जनवरी, 2017 पृष्ठों की संख्या 16

विजन : बैंकिंग और वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक शिक्षित एवं विकसित करना।

मिशन : प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।

इस अंक में

मुख्य घटनाएँ --2
बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ --3
बैंकिंग जगत की घटनाएँ --- 6
बीमा---8
नयी नियुक्तियाँ --- 9
उत्पाद एवं गठजोड़ --- 9
विदेशी मुद्रा --10
शब्दावली ---10
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ------------------------------------ 11
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां --11
संस्थान समाचार --12
बाजार की खबरें --14

इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों/ मीडिया में प्रकाशित हो चुकी/चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की/ किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना/समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित/उल्लिखित घटनाएँ संबन्धित स्रोत द्वारा यथा-अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों/घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी भी प्रकार से न तो उत्तरदाई है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।

मुख्य घटनाएँ

मुद्रा की बाढ़ को कम करने हेतु 6 लाख करोड़ रुपए मूल्य के एमएसएस बांड

9 नवंबर, 2016 से 500 रुपए और 1,000 रुपए के मूल्यवर्ग के नोटों वाली मुद्रा की वापसी के बाद बैंकों के पास जमाराशियों की हिलोर आ गई है। इसके फलस्वरूप बैंकिंग प्रणाली की चलनिधि में महत्वपूर्ण वृद्धि हो गई है। वर्तमान परिदृश्य में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा चलनिधि प्रबंधन परिचालनों को सुगम बनाये जाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक की सिफ़ारिश पर भारत सरकार ने बाजार स्थिरीकरण योजना (MSS) के तहत प्रतिभूतियों के निर्गम की उच्चतम सीमा को संशोधित करके उसे 6,000 बिलियन रुपए करने का निर्णय लिया है।

सेबी ने स्थावर संपदा निवेश न्यासों के लिए सार्वजनिक निर्गम मानदंड/ प्रकटन मानदंड जारी किए

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने संस्थागत निवेशकों की यूनिटों के आबंटन सहित स्थावर संपदा निवेश न्यासों (REITs) के सार्वजनिक निर्गमों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। बही-निर्माण (book building) प्रक्रिया के जरिए किए गए किसी निर्गम में 75% संस्थागत निवेशकों तथा 25% अन्य निवेशकों को जारी किया जाएगा।

प्रकटन मानदंडों में स्थावर सपदा निवेश न्यासों के प्रस्ताव प्रलेख में वित्तीय सूचना, संबन्धित पक्ष के लेन-देनों और विगत कार्य-निष्पादन का समावेश होगा। स्थावर संपदा निवेश न्यासों को

जुटाई गई निधियों के वास्तविक उपयोग के बारे में शेयर बाज़ारों को सूचित करना होगा, परिकलन की कार्यविधियों से संबन्धित विवरण देने के अलावा, निवेश एवं परियोजना प्रबन्धक को भुगतान किए गए शुल्कों का औचित्य सिद्ध करना होगा।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 1 जनवरी से एटीएम से दैनिक आहरण सीमा बढ़ाकर 4,500 रुपए की।

भारतीय रिजर्व बैंक ने एटीएम से दैनिक आहरण सीमा को 2,000 रुपए की पूर्ववर्ती उच्चतम सीमा से बढ़ाकर 4,500 रुपए कर दी है। 24,000 रुपए की साप्ताहिक आहरण सीमा अपरिवर्तित है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों से यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है कि एटीएम पर संवितरण मुख्यत: 500 रुपए के मूल्यवर्ग में हो।

बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए नकद शेष आवश्यकता शिथिल की

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को अब 500 रुपए और 1,000 रूपये के अप्रचलित नोटों को उनके नकद शेष के एक अंग के रूप में शामिल करने की अनुमति दे दी है। विनिर्दिष्ट बैंक नोटों (SBN) के मुद्रा तिजोरियों (currency chests) में भारी मात्रा में जमा किए जाने के परिणामस्वरूप 10 नवम्बर, 2016 से जमा किए गए विनिर्दिष्ट बैंक नोटों को गंदे नोटों वाली श्रेणी में तिजोरी शेष का एक भाग माना जाएगा। हालांकि, ऐसी जमाराशियों को तिजोरी शेष की सीमा अथवा नकदी धारिता सीमा की गणना करने हेतु हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

भारतीय रिजर्व बैंक ने जन-धन खातों से आहरण की सीमा निर्धारित की

जन-धन खातों के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि अपने ग्राहक को जानिए मानदंडों का पूर्णत: अनुपालन करने वाले खाता धारकों को उनके खातों से एक माह में 10,000 रुपए आहरित करने की अनुमति दी जा सकती है। शाखा प्रबन्धक वर्तमान लागू सीमाओं के भीतर और अधिक आहरण केवल ऐसे आहरणों की प्रामाणिकता का पता लगा लेने और उसे विहित रूप से रिकार्ड में प्रलेखित कर लेने के बाद ही दे सकते हैं। अपने ग्राहक को जानिए मानदंडों के

सीमित अथवा गैर-अनुपालक खाता धारकों को 9 नवंबर, 2016 के बाद विनिर्दिष्ट बैंक नोटों के जरिये जमा की गई रकम से 10,000 रुपए की समग्र उच्चतम सीमा के भीतर प्रति माह 5,000 रूपये आहरित करने की अनुमति दी जा सकती है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने किसी कारपोरेट के प्रति बैंक एक्सपोजर की उच्चतम सीमा 20% निर्धारित की

भारतीय रिजर्व बैंक ने किसी कारपोरेट./कंपनी के प्रति बैंक एक्सपोजर की उच्चतम सीमा 20 % निर्धारित की है। वर्तमान मेँ किसी एकल उधारकर्ता और उधारकर्ता समूह के प्रति किसी बैंक का एक्सपोजर पूंजीगत निधियों के क्रमश: 15% और 40% तक सीमित है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 2,000 रूपये तक के आनलाइन लेनदेनों पर एएफए घटाए

कम मूल्य वाले लेनदेनों के लिए पर्याप्त सुरक्षा के साथ ग्राहक सुविधा के उद्देश्य को पूरा करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी व्यापारी श्रेणियों मेँ 2,000 रूपये तक के लेनदेनों के लिए अतिरिक्त कारक अधिप्रमाणन (AFA) आवश्यकता को शिथिल कर दिया है। यह सुविधा संबन्धित कार्ड-जारीकर्ता और अधिग्राहक बैंकों की सहभागिता के साथ प्राधिकृत कार्ड नेटवर्कों द्वारा प्रदान किए जाने वाले भुगतान अधिप्रमाणन समाधानों हेतु अतिरिक्त कारक अधिप्रमाणन, आनलाइन कार्ड की गैर-मौजूदगी (card not present) वाले लेनदेनों के लिए है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 2,000 रुपए के लेनदेनों पर व्यापारी बट्टा दर की उच्चतम सीमा निर्धारित की

भारतीय रिजर्व बैंक ने 2,000 रुपए तक के डेबिट कार्ड लेनदेनों पर व्यापारी बट्टा दर (MDR) की उच्चतम सीमा 31 मार्च तक अस्थायी आधार पर बढ़ा कर लेन- देन मूल्य की अधिकतम 0.5 प्रतिशत निर्धारित कर दी है। 1,000 रुपए तक के लेनदेनों के लिए व्यापारी बट्टा दर मूल्य की 0.25 प्रतिशत तथा 1,000 रूपये से अधिक और 2,000 रूपये तक के लेन-देनों के लिए व्यापारी बट्टा दर 1 फरवरी, 2017 से अधिकतम 0.5 प्रतिशत तक सीमित कर दी जाएगी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने स्वर्ण बाँड़ों के शोधन मानदंडों की घोषणा की

भारतीय रिजर्व बैंक ने ग्राहक सेवा प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सवारेन स्वर्ण बाँड़ों के शोधन हेतु कार्यविधिक दिशानिर्देशों की घोषणा कर दी है। प्राप्तकर्ता कार्यालय (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर) अनुसूचित वाणीज्यिक बैंकों, मान्यता प्राप्त शेयर बाज़ारों (राष्ट्रीय शेयर बाजार और बम्बई शेयर बाजार, अभिहित डाकघरों तथा स्टाक होल्डिंग कार्पोरेशन आफ इण्डिया को अब इन बाँड़ों का शोधन करने हेतु किसी एक नोडल कार्यालय की पहचान करनी होगी। विभिन्न शाखाओं या कार्यालयों में प्राप्त आवेदन प्रारम्भिक छानबीन के बाद आगे के संसाधन हेतु नोड़ल कार्यालय को अग्रेषित किए जा सकते है। अब ग्राहक अपने बाँड़ों को या तो अभिदान के समय या फिर उसके बाद किसी भी समय अभौतिकीकृत रूप में रूपांतरित किए जाने हेतु अनुरोध कर सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक : ब्याज दर विकल्पों का क्रय-विक्रय 31 जनवरी से

घरेलू पूंजी बाज़ारों के विस्तार क्षेत्र को व्यापक बनाने के एक अभियान में भारतीय रिजर्व बैंक ने 31 जनवरी, 2017 से ब्याज दर विकल्पों (options) के क्रय-विक्रय की शुरुआत किए जाने के लिए दिशानिर्देश जारी कर दिये हैं। इन विकल्पों की अनुमति भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा प्राधिकृत शेयर बाज़ारों में और उनके साथ ही काउंटर पर किए जाने वाले लेन-देनों के बाजार में किए आने की अनुमति होगी। शेयर बाज़ारों को इनका क्रय-विक्रय करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्वानुमोदन की आवश्यकता होगी। ब्याज दर विकल्पों के क्रय-विक्रय के लिए अंतर्निहित का निर्धारण अभी तक नहीं हुआ है। ये क्रय-विक्रय/व्यापार सामान्य यूरोपीय क्रय (call) एवं विक्रय (put) विकल्पों, ब्याज दर कैप्स, ब्याज़ दर फ्लोर्स अथवा कालर्स में निष्पादित किए जा सकते हैं। बैंकों और प्राधिकृत व्यापारियों (ADs) को उनके संबन्धित विनियामकों से अनुमोदन की शर्त पर बाजार-निर्माताओं (market makers) के रूप में कार्य करने की अनुमति होगी। अंतर्निहित ब्याज़ दर जोखिम वाली सभी संस्थाएं/कंपनियाँ अपने जोखिमों को प्रतिरक्षित (hedge) करने के लिए इस बाजार मेँ सहभागिता करने की पात्र होंगी। सहभागियों को ब्याज़ दर विकल्प बाजार मेँ निवल अधिविक्रय (short) वाली स्थितियाँ बनाए रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बैंकिंग जगत की घटनाएँ

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा खाते को पुन: आरंभ किए जाने से पहले उचित सावधानी बरते जाने का आग्रह

भारतीय रिजर्व बैंक ने किसी निष्क्रिय (dormant) खाते को पुन: सक्रिय किए जाने से पहले उचित सावधानी बरते जाने का आग्रह किया है। उचित सावधानी से तात्पर्य है लेन-देन की प्रामाणिकता सुनिश्चित करना, हस्ताक्षर एवं पाहचान का सत्यापन आदि करना।

आधार-समर्थित उपकरणों की परिनियोजन तिथि विस्तारित

भारतीय रिजर्व बैंक ने आधार-आधारित जीवसांख्यिकीय (biometric) अधिप्रमाणन के संसाधन मेँ समर्थ बनाने हेतु स्वीकृति की मूलभूत सुविधा के परिनियोजन की तिथि 30 जून, 2017 तक बढ़ा दी है। ऐसा स्वीकृति की मूलभूत सुविधा जीवसांख्यिकीय अधिप्रमाणन की दर मंद हो जाने के कारण किया गया है। बैंकों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई थी कि वर्तमान मेँ मौजूद सभी नए कार्ड 1 जनवरी, 2017 से आधार पर आधारित जीवसांख्यिकीय अधिप्रमाणन का उपयोग करते हुये भुगतान लेन-देनों को संसाधित करने मेँ सक्षम हों।

भारतीय रिजर्व बैंक 20 रुपए, 50 रूपये के नये नोट और 500 रूपये के नोटों की नयी शृंखला जारी करेगा

भारतीय रिजर्व बैंक शीघ्र ही 20 रुपए और 50 रूपये वाले मूल्यवर्ग मेँ ऐसे नये करेंसी नोट जारी करेगा जिनमें नंबर पैनल मेँ अंक आरोही आकार वाले तथा उत्कीर्ण छपाई के बिना होंगे। 20 रुपए और 50 रूपये के पुराने नोट वैध मुद्रा के रूप मेँ बने रहेंगे। इसके अलावा, महात्मा गांधी (नयी) शृंखलाओं मेँ दोनों ही नंबर पैनलों मेँ अंतर्विष्ट अक्षर आर (R) के साथ 500 रूपये के नोटों का एक नया बैच भी जारी किया जा रहा है।

एकबारगीय पिनों का उपयोग करते हुए नए खाते खोले जा सकते हैं

बैंक खाते खोलने की प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को मोबाइल फोनों पर एकबारगीय पिनों (pins) का उपयोग करते हुए नये खाते खोलने में समर्थ बनाने हेतु ग्राहक अधिप्रमाणन नियमों को संशोधित कर दिया है। आवेदकों से सहमति प्राप्त करने के बाद

वे अपने ग्राहक को जानिए कार्यविधियों को इलेक्ट्रानिक विधि से पूरी करने हेतु इन एकबारगीय पिनों को उन्हें प्रदान कर सकते हैं। तथापि, इन खातों में जमाराशियाँ 1 लाख रुपए से अधिक नहीं हो सकतीं और किसी एक वित्तीय वर्ष में जमाओं की कुल रकम 2 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।

किसानों को ऋण चुकाने हेतु 60 दिनों की अनुग्रह अवधि मिली

विमुद्रीकरण के बाद किसानों को उनके फसल ऋण की देय राशियों को चुकाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसे स्वीकार करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने जिनकी फसल ऋण चुकौतियाँ 2 नवंबर, 2016 से 31 दिसंबर, 2016 के बीच वाली अवधि में देय थीं उन किसानों को 3 प्रतिशत का चुकौती प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिए 60 दिनों की एक अनुग्रह अवधि प्रदान करने का निर्णय लिया है।

बैंकों से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को अतिरिक्त कार्यशील पूंजी सीमाएं उपलब्ध कराने हेतु कहा गया

भारतीय रिजर्व बैंक ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (MSEs) को ऐसी सहायता प्रदान करने के लिए कहा है जिसके द्वारा वे विमुद्रीकरण के बाद नकदी प्रवाह में असन्तुलनों के कारण पैदा होने वाली कठिनाइयों से पार पाने हेतु अतिरिक्त कार्यशील पूंजी सीमाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। यह 31 मार्च, 2017 तक के लिए एकबारगीय उपाय होगा और उसके बाद कार्यशील पूंजी के नये निर्धारण चक्र में सामान्य कर दिया जाएगा।

श्वेत लेबल एटीएम खुदरा बिक्री केन्द्रों से नकदी प्राप्त कर सकते हैं

विमुद्रीकरण के बाद श्वेत लेबल वाले एटीएम (WLAOs) प्रचालकों के समक्ष उनके प्रायोजक बैंकों से नकदी प्राप्त करने में उपस्थित हो रही कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने उन्हें खुदरा बिक्री केन्द्रों (PoS) से नकदी प्राप्त करने की अनुमति प्रदान कर दी है। यह व्यवस्था ऐसी शर्तों के अधीन है कि श्वेत लेबल वाले एटीएम के माध्यम से वितरित किए जाने वाले करेंसी नोटों की गुणवत्ता और प्रामाणिकता के लिए एकमात्र रूप से वे ही उत्तरदाई होंगे। श्वेत लेबल वाले एटीएम जहां से वे नकदी प्राप्त करने के इच्छुक हों, उन खुदरा बिक्री केन्द्रों के साथ उनके बोर्ड द्वारा यथा-अनुमोदित नीति के आधार पर द्विपक्षीय व्यवस्था

कर सकते हैं। इस प्रकार की व्यवस्थाओं से पैदा होने वाले दायित्व एवं विवाद श्वेत लेबल एटीएमों की जिम्मेदारी होंगे। वे ग्राहक विवादों का निवारण करने के लिए उत्तरदायी होंगे तथा जाली नोटों के कारण सहित किसी ग्राहक को हुई किसी भी प्रकार की हानि की भरपाई करेंगे।

बीमा

इरडाई ने एए श्रेणी वाले अतिरिक्त टियर 1 बाँड़ों को स्वीकृति दी

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने बीमा कंपनियों को अतिरिक्त टियर 1 या एटी 1 (बासेल 3 अनुपालक) सतत बाँड़ों में निवेश करने की अनुमति प्रदान कर दी है। इरडाई ने यह विनिर्दिष्ट कर दिया है कि निवेश के समय अतिरिक्त टियर 1 बाँड़ों को एए श्रेणी से कम निर्धारित नहीं होना चाहिए।

नयी नियुक्तियाँ

नाम	पदनाम / संगठन
डा॰ विरल आचार्य	भारतीय रिजर्व बैंक में उप गवर्नर के रूप में नियुक्त
श्री वी॰ जी॰ कन्नन	मुख्य कार्यपालक, भारतीय बैंक संघ
सुश्री वीणा माँकड़	स्वतंत्र गैर-कार्यपालक अध्यक्ष, आईडीएफसी बैंक

उत्पाद एवं गठजोड

संगठन	जिस संगठन के साथ गठजोड़ हुआ	उद्देश्य
एचडीएफसी बैंक	फेडरेशन आफ रिटेल ट्रेडर्स एसोसिएशन	सभी महानगरों में 50 से अधिक बड़े प्रमुख खुदरा भंडारों में 2,000 रुपए तक के नकद आहरण की सुविधा प्रदान करना।
एचडीएफसी बैंक	कैपिटल फ्लोट	भारतभर में छोटे व्यवसायों को डिजिटल उधार उपलब्ध कराना।
येस बैंक	ओला	किसी भी बैंक से डेबिट कार्ड स्वाइप करके सुविधा

		जनक नकद आहरण में समर्थ बनाने हेतु 10 शहरों में चल एटीएम लगाना।
येस बैंक	ग्रोफर्स	ग्राहकों को ग्रोफर्स के जरिए आनलाइन किराना सामान मंगाने पर 2,000 रुपये तक की नकदी प्राप्त करने की सुविधा देना।
बैंक आफ बड़ौदा	मै॰ सिद्धिविनायक एग्री प्रोसेसिंग प्रा॰ लि॰	किसनों, स्वयं सहायता समूहों, संयुक्त देयता समूहों का वित्तीयन करना और देशभर मे बैंक आफ बड़ौदा की शाखाओं के माध्यम से कृषक उत्पादक संघों का वित्तीयन करना।
देना बैंक	चोला	बाद वाले के सामान्य बीमा उत्पादों का वितरण करना।
आईडीएफसी बैंक		भारत के प्रथम आधार सम्बद्ध नकदी-रहित व्यापारी समाधान आधार पे जिसमें एफ-ई-26-12-16 में समर्थ बनाने हेतु खुदरा व्यापारियों के स्वयं अपने एण्ड्रोइड स्मार्ट फॉन का उपयोग किया जाता है, की शुरुआत की।

विदेशी मुद्रा

जनवरी, 2017 माह के लिए लागू अनिवासी विदेशी मुद्रा (बैंक) की न्यूनतम दरें

मुद्रा	**1 वर्ष**	**2 वर्ष**	**3 वर्ष**	**4 वर्ष**	**5 वर्ष**
अमरीकी डालर	**1.19700**	**1.47900**	**1.68930**	**1.87300**	**1.98470**
जीबीपी	**0.42140**	**0.613**	**0.6948**	**0.7839**	**0.8769**
यूरो	-0.18000	-0.153	-0.098	-0.019	-0.080
जापानी येन	0.03380	0.038	0.043	0.059	0.080
कनाडाई डालर	1.10000	1.115	1.265	1.388	1.485
आस्ट्रेलियाई डालर	1.92300	2.075	2.243	2.592	2.650
स्विस फ्रैंक	-0.63500	-0.592	-0520	-0419	-0.314
डैनिश क्रोन	-0.0070	0.0524	0.1232	0.2165	0.3355
न्यूजीलैंड डालर	2.27250	2.598	2.860	3.060	3.228
स्वीडिश क्रोन	-047500	-0.318	-0॰138	0.068	0.270
सिंगापुर डालर	1.47000	1.780	2.030	2॰250	2.420

हांगकांग डालर	1.50000	1.790	2.040	2.220	2.340
म्यामार	3.60000	3.680	3.770	3.820	3.890

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियाँ

मद	23 दिसंबर, 2016 के दिन बिलियन रुपए	23 दिसंबर, 2016 के दिन मिलियन अमरीकी डालर
कुल प्रारक्षित निधियाँ	24,425.0	3,59,671.3
(क) विदेशी मुद्रा आस्तियां	22,803.2	3,35,970.1
(ख) सोना	1,369.3	19,982.9
(ग) विशेष आहरण अधिकार	96.9	1,427.5
(घ) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	155.6	2,290.8

शब्दावली

श्वेत लेबल एटीएम

बैंकेतर संस्थाओं द्वारा स्थापित, स्वाधिकृत एवं परिचालित एटीएमों को श्वेत लेबल एटीएम कहा जाता है। बैंकेतर एटीएम परिचालक भुगतान और निपटान अधिनियम, 2007 के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत होते हैं।

वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी

ब्याज दर भावी सौदे (फ्यूचर्स)

ब्याज दर भावी सौदों से अभिप्राय है संविदा के समय निर्धारित कीमत पर कोई प्रतिभूति या कोई अन्य ब्याज वाहक लिखत अथवा इस प्रकार के लिखतों का कोई सूचकांक या किसी विनिर्दिष्ट भावी तिथि को ब्याज दरें खरीदने या बेचने के लिए किसी मान्यता प्राप्त शेयर बाजार में क्रय-विक्रय की जाने वाली ब्याज दर व्युत्पन्नी (derivative) संविदा।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

जनवरी, 2017 माह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि	स्थान
1	अपने ग्राहक को जानिए/धन-शोधन निवारण/वित्त आतंकवाद का मुकाबला	2-2-17 -4-2-17	मुंबई
2	डिजिटल बैंकिंग	6-2-17-8-2-17	मुंबई
3	8वां अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	13-2-17- 18-2-17	मुंबई
4	पहली बार शाखा प्रबन्धक	20-2-17- 25-2-17	मुंबई
5	लघु एवं मध्यम उद्यम वित्तीयन	6-2-17 10-2-17	चेन्नै
6	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के अधिकारियों के लिए ऋण मूल्यांकन	6-2-17 10-2-17	कोलकाता
7	ऋण निगरानी	13-2-17- 15-2-17	नई दिल्ली

संस्थान समाचार

जेएआईआईबी/डीबीएंडएफ/सीएआईआईबी परीक्षाओं - नवंबर-दिसंबर, 2016 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना

संस्थान ने नवंबर-दिसंबर, 2016 में आयोजित की जाने वाली जेएआईआईबी/डीबीएंडएफ/सीएआईआईबी परीक्षाएं जनवरी/मार्च 2017 तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। जनवरी, 2017 माह में आयोजित होने वाली डिप्लोमा और प्रमाणपत्र परीक्षाएँ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएंगी।

सूक्ष्म/स्थूल प्रस्तावों के लिए आमंत्रण

संस्थान वर्ष 2016-17 के लिए सूक्ष्म आलेख और स्थूल प्रस्ताव आमंत्रित करता है। आलेख/प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2017 है। अधिक जानकारी के लिए www.iibf.org.in देखें।

हीरक जयंती और सी॰ एच॰ भाभा बैंकिंग ओवरसीज रिसर्च फ़ेलोशिप (D JCHBBORF) के लिए आमंत्रण

संस्थान हीरक जयंती और सी॰ एच॰ भाभा बैंकिंग ओवरसीज रिसर्च फ़ेलोशिप के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। इस फ़ेलोशिप का उद्देश्य सफल अभ्यर्थी को भारत और विदेशों में बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में अद्यतन घटनाओं पर शोध अध्ययन करने का आमंत्रण प्रदान करना है। आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि 28 फरवरी, 2017 है। अधिक जानकारी के लिए **www.iibf.org.in** देखें।

सहयोग

संस्थान ने अफगानिस्तान इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स (AIBF) के साथ उनके बैंकरों के लिए विभिन्न प्रबंधकीय स्तरों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने हेतु एक समझौता ज्ञापन (MOU) हस्ताक्षरित किया है।

सेवा कर की नयी दर

वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग ने जून, 2016 से किसी भी या सभी करयोग्य सेवाओं पर 0.5 प्रतिशत कृषि कल्याण उप कर की वसूली किए जाने की सूचना दी है। सेवा कर की प्रभावी दर 14.0 + 0.5 प्रतिशत (स्वच्छ भारत उप कर) +0.5 प्रतिशत (कृषि कल्याण उप कर) = 15 प्रतिशत है। तदनुसार, संस्थान ने सभी शुल्कों में इस परिवर्तन को शामिल कर लिया है।

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के आगामी अंकों के लिए विषय-वस्तुएं इस प्रकार निर्धारित की गई हैं :

जनवरी-मार्च, 2017 व्यवसाय विश्लेषण
अप्रैल -जून, 2017 मूलभूत सुविधा वित्तीयन में चुनौतियाँ

अपने ग्राहक को जानिए/धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा

संस्थान ने अप्रैल, 2016 के बाद से अपने ग्राहक को जानिए/धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा में प्रमाण पत्र परीक्षा का आयोजन नियमित रूप से तिमाही आधार पर करने का निर्णय लिया है।

परीक्षाओं के लिए दिशानिर्देशों /महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान द्वारा किसी कैलेंडर वर्ष के मई/जून माह के दौरान आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध मेँ प्रश्नपत्र में समावेश के लिए विनियामक द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र मेँ केवल पिछले वर्ष के 31 दिसंबर तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

संस्थान द्वारा किसी कैलेंडर वर्ष के नवंबर/दिसंबर माह के दौरान आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध मेँ प्रश्नपत्र मेँ समावेश के लिए विनियामक द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में केवल पिछले वर्ष के 30 जून तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नई पहलकदमी

सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास मौजूद अपने ई-मेल पते अद्यतन करा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दें।

समाचार पत्रों के पंजीयक के पास आरएनआई सं॰ 69228/1998 के अधीन पंजीकृत

बाजार की ख़बरें

भारित औसत मांग दरें

6.5

6.4

6.3
6.2
6.1
6
5.9
5.8
जुलाई, 216, अगस्त, 2016, सितंबर, 2016, अक्तूबर, 2016, नवंबर, 2016, दिसंबर, 2016
स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम न्यूजलेटर, 2016

भारतीय रिजर्व बैंक की संदर्भ दर

90
85
80
75
70
65
60
55
जुलाई, 216, अगस्त, 2016, सितंबर, 2016, अक्तूबर, 2016, नवंबर, 2016, दिसंबर, 2016
स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक

खाद्दयेतर ऋण वृद्धि %

9.6
9.4
9.2
9
8.8
8.6
8.4

8.2

8

जुलाई, 216, अगस्त, 2016, सितंबर, 2016, अक्तूबर, 2016, नवंबर, 2016, दिसंबर, 2016

स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकनामी, भारतीय समाशोधन निगम दिसंबर, 2016

बंबई शेयर बाजार सूचकांक

29000

28500

28000

27500

27000

26500

26000

जुलाई, 216, अगस्त, 2016, सितंबर, 2016, अक्तूबर, 2016, नवंबर, 2016, दिसंबर, 2016

स्रोत : बंबई शेयर बाजार (BSE)

समग्र जमा वृद्धि %

18

16

14

12

10

8

6

4

2

0

जुलाई, 216, अगस्त, 2016, सितंबर, 2016, अक्तूबर, 2016, नवंबर, 2016

स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकनामी, भारतीय समाशोधन निगम, दिसंबर, 2016

डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा मुद्रित, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स की

ओर से प्रकाशित तथा आनलुकर प्रेस, 16 सासुन डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम),,मुंबई - 400 070 से प्रकाशित।
संपादक : डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल,
किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम), ,मुंबई - 400 070
टेलीफोन : 91-22-2503 9604/ 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : admin@iibf.org..in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in .

आईआईबीएफ विजन जनवरी, 2017